आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

दैनिक समाचार–पत्र

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2405 • उदयपुर, रविवार 25 जुलाई, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

ग्रामीण दिव्यांगों के द्वार संस्थान

जयपुर में वितरित हुए कृत्रिम अंग एवं राशन किट

दिव्यांगता के क्षेत्र में अग्रणी नारायण सेवा संस्थान द्वारा हेरिटेज होटल ब्रह्मपुरी पुलिस स्टेशन के सामने, आमेर रोड़, जयपुर में कृत्रिम अंग एवं राशन वितरण शिविर आयोजित हुआ। शिविर प्रभारी मनीष जी खण्डेलवाल ने बताया कि दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर और वैशाखी, कैलिपर आदि प्रदान किये गये एवं गरीब परिवारों को निःशुल्क राशन दिया गया। शिविर में मुख्य अतिथि श्री सुरेन्द्र जी पारीक, अध्यक्ष मंहतश्री बच्चनदास जी, विशिष्ट अतिथि श्री राघवेंद्र जी महाराज, श्री चमनगिरी जी महाराज, श्री अमर जी गुप्ता, श्री चिराग जी जैन, श्री घनश्याम जी सैनी, श्री लक्ष्मण जी समतानी, श्री चिरंजीलाल जी, श्री अशोक जी झामानी, श्री भूपेन्द्र प्रताप जी सोनी एवं कई गणमान्य मेहमान उपस्थित थे।

संस्थान द्वारा नारायण गरीब परिवार राशन योजना के अंतर्गत 50 हजार परिवारों को राशन का लक्ष्य निर्धारित किया है इसके अंतर्गत 28 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट दिये गये साथ ही दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग, कैलिपर वितरण किये। शिविर टीम में भंवरसिंह जी, हुकुमसिंह जी ने अपनी सेवाएं दी।

चेंगलपट्टु (तमिलनाडु) में राशन–सेवा

नारायण सेवा संस्थान यों तो दिव्यांगता मुक्ति अभियान में प्रमुख रूप से सेवारत है किंतु कोरोना काल में जरूरतमंदों के लिये विविध प्रकार की सेवा में अग्रणी रहा है। आप सभी के आशीर्वाद से देशभर के करीब 50 हजार परिवारों को राशन–सामग्री प्रदान करने का सौभाग्य पाया है।

यह प्रक्रिया अनवरत जारी है। ऐसा ही एक राशन वितरण शिविर नारायण गरीब परिवार राशन–योजना के अंतर्गत तमिलनाडु प्रांत के चेंगलपट्टु नगर में 30 जून 2021 को आयोजित किया गया।

नारायण सेवा संस्थान की इस शाखा द्वारा कुल 104 परिवारों को राशन–किट प्रदान किये गयें। शिविर प्रभारी लालसिंह जी भाटी के अनुसार इस कार्यक्रम में जो अतिथिगण पधारे उनके शुभनाम निम्नलिखित हैं– श्री शिवकुमार जी (बी.डी.ओ., मदुरंतकम ब्लोक), श्री मुरली जी (सब इंस्पेक्टर पुलिस पडालम), श्री जी. एस. सुरेश बाबू (शासकीय वकील), श्री मारी मूथा (सेवानिवृत वी. ए. ओ.) श्री सत्य सांई, श्री एजीलरासु (सामाजिक कार्यकर्ता), श्री एम. जी. अंबाजगन (निदेशक–जी. वी. एस.) श्री वेंकटेश जी एस. (कोषाध्यक्ष–जी. वी. एस.)। शिविर के लाभार्थी जन अत्यंत प्रसन्न थे।

संस्थान द्वारा दिव्यांग दम्पती व बच्चे की मदद

नारायण सेवा संस्थान ने दिव्यांग धर्माराम (13) और रमेश मीणा (28) को उनकी विपरीत परिस्थितियों में तात्कालिक मदद पहुँचाई है। कानोड़ तहसील जिला उदयपुर (राज.) के तालाब फलां निवासी रमेश पुत्र वाला मीणा का घर आग लगने से स्वाह हो गया था।

संस्थान ने अनाज, वस्त्र, कम्बल मसाले आदि देकर उसकी मदद की। रमेश और उसकी पत्नी लोगरी दोनों ही जन्मजात दिव्यांग है। चार बच्चों के साथ गृहस्थी को चलाना, पहले से ही इसके लिए भारी था और अब घर के जल जाने से उस पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं मंगलवार को पीआरओ विपुल शर्मा को फुटपाथ पर मिले धर्मा पुत्र कंवरलाल को व्हीलचेयर, कपड़े, बिस्किट एवं राशन देने के साथ उसका सीपी टेस्ट करवाया। इस बालक की दो वर्ष पूर्व बीमारी के दौरान आवाज और आंखों की रोशनी चली गई थी। अब इसके पांव भी नाकाम हो गए है। डॉक्टर्स टीम आवश्यक चिकित्सा के लिए प्रयासरत हैं।

संस्थान निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने कहा कि विषमता में परेशान दिव्यांगों एवं दुखियों को ज्यादा से ज्यादा मदद पहुंचाने के लिए संस्थान तत्पर है। इस अवसर पर विष्णु जी शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद जी गौड़, दिलीप सिंह जी, फतेहलाल जी मौजूद रहे।

अब आसानी से चलने लगी तारा और अनुराधा

सॉफ्टवेयर और ऐप द्वारा संस्थान के आर.एल. डिडवानिया पोलियो हॉस्पीटल में पिछले दिनों नई रणनीति के साथ दो जटिल मामलों की सर्जरी की गई। पोलियो करेक्शन के इन दोनों मामलों में पहली सर्जरी के बाद मरीजों को चलने में मदद मिली। जबकि वे पूर्व में बिना सहारे के उठ भी नहीं सकते थे। सॉफ्टवेयर और ऐप के जरिये सर्जरी करने वाले डॉ. अंकित सिंह चौहान के अनुसार दूसरी सर्जरी में टिबीया हड्डी में शेष रही विकृति को ठीक करने व उसे लम्बा कर रोगी की उंचाई बढ़ाने के लिए इलिजारोव विधि का प्रयोग किया गया। इस सर्जरी के अगल दिन से ही दोनों मामलों में मरीजो की फिजियोथेरेपी शुरू कर दी गई।

इन दोनो मामलों में एक उदयपुर (राजस्थान) की 16 वर्षीय तारा डांगी है। बचपन में घुटनों में चोट के कारण यह चलने में काफी दिक्कत महसूस कर रही थी। सर्जरी से पूर्व उनके एक्स–रे में पाया गया कि घुटने की यह विकृति उनकी दोनों डिस्टल फिमर हड्डियों और प्रॉक्सिमल टिबीया हड्डियों में वैल्गस विकृति के कारण थी। ऐसा ही दूसरा मामला चन्दौली (उत्तरप्रदेश) की 20 वर्षीय अनुराधा तिवारी का है। उन्हें सेरेब्रल पाल्सी के साथ डिस्टल फीमर की तीन आयामी विकृतियों थी।

पाली (राज.) में 45 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ–पैर लगाए

कन्यादेवी पत्नी घेवरचंद जी बोहरा की याद में बोहरा परिवार द्वारा रोटरी भवन में निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृव्य महावीर इंटरनेशनल महिला विंग और नारायण सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा किया गया। महिला विंग की चेयरमेन ललिता जी कोठारी और संस्था के जोन चेयरमेन तेजपाल जी जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ संरक्षक राजेन्द्र जी भंडारी, सुमित्रा जी जैन, भामाशाह मोतीलाल जी जैन, प्रकाशचंद जी, राजेश जी बोहरा एवं डॉ. बंशीलाल जी शिन्दे द्वारा किया गया। महिला विंग की सदस्यों द्वारा महावीर प्रार्थना का पठन किया गया। शिविर में जिले भर से 45 दिव्यांगों के हाथ–पैर इत्यादि का माप लिया गया। साथ ही जरूरतमंद दिव्यांगों को कैलिपर्स वितरित किए गए।

शिविर के लाभार्थी मुकेश जी बोहरा, राजेश जी बोहरा तथा संयोजक कांतिलाल जी मूथा, संरक्षक नूतनबाला जी कपिला, प्रभारी पुनीत जी मूथा, डॉ. के. एम. शर्मा जी, बाबू बंबोली जी, सुशील जी बालिया, आदित्य जी मूथा, सचिव प्रियंका जी मुथा, खुशबू जी मेहता, अभिलाषा जी संकलेचा, स्वीटी जी कोठारी, भारती जी मेहता, संगीता जी मेहता, सुरभि जी कोठारी, मनाली जी बोहरा, चंचल जी बोहरा, रक्षा जी वैष्णव, राज कंवर जी चौहान, नारायण सेवा के भंवरसिंह जी, राहुल जी, हरिप्रसाद जी लढ्ढा, मुकेश जी, मोहन जी, भरत जी, जयप्रकाश जी आरोड़ा, पुष्पा जी परिहार, अंजु जी भंडारी, पीयूष जी गोगड़ आदि ने अपनी सेवाएं दी। महावीर रसोई गृह के माध्यम से दिव्यांगों के लिए व्यवस्था की गई तथा रोटरी अध्यक्ष अमरचंद जी बोहरा द्वारा निःशुल्क भवन उपलब्ध करवाया गया। अंत में सरंक्षक राजेंद्र जी भंडारी ने कार्यकर्ताओं एवं दिव्यांगों का आभार व्यक्त किया।

महिलाओं को सामाजिक कार्य में लाएंगे आगे– ललिता जी कोठारी

महिला विंग की चेयरमेन ललिता जी कोठारी ने इस मौके पर कार्यकर्ताओं व प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि महावीर इंटरनेशनल द्वारा कार्यकर्ताओं को आगे लाने के लिए इस विंग की स्थापना की गई। इसके लिए सदस्यता अभियान चलाकर शहर में सक्रिय महिलाओं को इस संगठन से जोड़ेंगे और ऐसे शिविर और आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने शिविर के लाभार्थी भामाशाह बोहरा परिवार भांवरी वालों को भी साधुवाद दिया।

कैंसर पीड़ित मासूम राधिका को आर्थिक मदद

बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव की बालिका के कैन्सर रोग के उपचार के लिए नारायण सेवा संस्थान ने आर्थिक सम्बल प्रदान किया है। अध्यक्ष प्रशान्त जी अग्रवाल ने बताया कि आदिवासी श्रमिक धन्ना कटारा की 6 साल की बेटी राधिका यहां गीताजंली हॉस्पीटल में भर्ती है। दिन–ब–दिन गिरते स्वास्थ्य के चलते जांच पर कैन्सर होना पाया गया। संस्थान निदेशक वंदना जी अग्रवाल हॉस्पीटल गई और आर्थिक सहयोग देते हुए उपचार होने तक राशन, भोजन, एम्बुलेंस व वस्त्रादि की व्यवस्था का भी भरोसा दिलाया।

मदद को तरसती पत्नी और मासूमों को नारायण सेवा ने संभाला

उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल जोर जी का खेड़ा निवासी मीना (बदला हुआ नाम) का पति अहमदाबाद में नमकीन की दुकान पर काम करता था। खराब तबीयत के चलते वो गांव आया और दो दिन बाद मृत्यु हो गई। एक तरफ पत्नी पति की मौत से दुःखी थी तो दूसरी तरफ तीन बेटियों और वृद्ध सासु माँ की चिंता सता रही थीं। असमय मौत से असहाय हुए परिवार के घर में न आटा है न दाल न ही राशन। भोजन को मोहताज परिवार पर ताऊते तूफान का कहर भी ऐसा बरपा कि टूटी–फूटी छत ही उड़ गई। परिवार के पांचों जन ने बारिश में भीगकर रातें गुजारी तो अब तेज धूप में तपने को मजबूर है।

नारायण सेवा संस्थान ने ली सुध–

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में राशन बांटने वाली टीम को पता चला तो वे वहाँ पहुंचे। दुःखी परिवार को ढांढस बंधाया और मदद के लिये आगे आये।

हर माह मिलेगा राशन–

मृतक मजदूर परिवार को संस्थान ने मौके पर ही महीने भर का आटा, चावल, तेल, शक्कर, चाय, दाल और मसाले दिए। हर माह परिवार का पेट भरने को राशन दिया जाता रहेगा।

संस्थान बनाएगा पक्की छत –

बारिश, धूप और गर्मी झेल रहे परिवार की समस्या निदान के लिए पक्की छत का निर्माण संस्थान द्वारा करवाया जाएगा।

तीनों बेटियों को पढ़ाने में भी मदद–

संस्थान ने मृतक मजदूर के परिवार को भरोसा दिलाया कि इन बेटियों को पढ़ाने में पूरी मदद की जाएगी।

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
केलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सम्पादकीय

विश्व विघटन और संघटन का संयुक्त स्वरूप है। प्रकृति में टूटना और बनना सतत चल रहा है। पर कुछ बातें ऐसी हैं जिनका टूटना बड़ा घातक होता है। आज रिश्तेनातों में आपसी विश्वास टूट रहा है, जिससे रिश्तों मे टूटन स्पष्ट दिखाई दे रही है। हम बाहरी रिश्तों की तो बात छोड़ें, जो अंतरंग रिश्ते हैं, जिनका परस्पर अन्योन्याश्रित संबंध है, वे रिश्ते भी दिन–प्रतिदिन कमजोर होकर बड़ी संख्या में टूटने लगे हैं। यह टूटन इतनी भयावह है कि अनेक आशंकाएं सिर उठाने लगी हैं। परिवार तथा आपसी रिश्तेनातों में सामंजस्य, विश्वास और सदाशयता ध्वस्त सी हो गई है। आज परिवार की परिभाषा केवल पति–पत्नी और बच्चे रह गये हैं किन्तु इस नये परिभाषित परिवार में भी टूटन आ रही है। बच्चे, बड़ों को कालबाह्य मानकर उनसे कट रहे हैं। माता–पिता उनसे कट रहे हैं। यहाँ तक कि पति–पत्नी के रिश्तों में भी संदेह, अविश्वास तथा प्रभुत्ता की लड़ाई घुस गई है। कहाँ गया हमारा पारिवारिक सौहार्द्र ? इस देश व समाज में कभी ऐसा तो न था ? सोचें किस दुष्चक्र में फंसें हैं हम ? अपना कल्याण तो सोचें।

कुछ काव्यमय

रिश्ते नाते दरकते,
दिखते हैं अब आम।
जैसे सूरज ढल रहा,
सम्बन्धों की शाम।।
बढ़ी दरारें दिख रहीं,
रिश्ते हैं कमजोर।
यह पतंग कब की कटी,
छूटी इसकी डोर।।
ढीले सब सम्बन्ध हैं,
कैसे आय सुधार।
स्वारथ इस कर रहा,
दिन–दिन भारी मार।।
अब रिश्ते खण्डित हुए,
खण्ड–खण्ड तब्दील।
इक दूजे को सालते,
जैसी चुभती कील।।
जो दरार पैदा हुई,
कैसे वो भर पाय।
विश्वासों के सेतु ही,
अब तो पार लगाय।।

- वरदीचन्द राव

अच्छे कर्म करते रहें

एक समय मोची का काम करने वाले व्यक्ति को रात में भगवान ने सपना दिया और कहा कि कल सुबह मैं तुझसे मिलने तेरी दुकान पर आऊंगा।'

'मोची की दुकान काफी छोटी थी और उसकी आमदनी भी काफी सीमित थी।'

'खाना खाने के बर्तन भी थोड़े से थे।' इसके बावजूद वह अपनी जिंदगी से खुश रहता था।' एक सच्चा ईमानदार और परोपकार करने वाला इंसान था।' इसलिए ईश्वर ने उसकी परीक्षा लेने का निर्णय लिया।' मोची ने सुबह उठते ही तैयारी शुरू कर दी।' 'भगवान को चाय पिलाने के लिए दूध चायपत्ती और नाश्ते के लिए मिठाई ले आया।' 'दुकान को साफ कर वह भगवान का इंतजार करने लगा।' उस दिन सुबह से भारी बारिश हो रही थी।' 'थोड़ी देर में उसने देखा कि एक सफाई करने वाली बारिश के पानी में भीगकर ठिठुर रही है।' मोची को उसके ऊपर बड़ी दया आई और भगवान के लिए लाए गये दूध से उसको चाय बनाकर पिलाई।' दिन गुजरने लगा।' दोपहर बारह बजे एक महिला बच्चे को लेकर आई और कहा कि मेरा बच्चा भूखा है इसलिए पीने के लिए दूध चाहिए।' मोची ने सारा दूध उस बच्चे को पीने के लिए दे दिया।' इस तरह से शाम के चार बज गए।'

मोची दिन भर बड़ी बेसब्री से भगवान का इंतजार करता रहा।' तभी एक बूढ़ा आदमी जो चलने से लाचार था आया और कहा कि मै भूखा हूं और अगर कुछ खाने को मिल जाए तो बड़ी मेहरबानी होगी।' मोची ने उसकी बेबसी को समझते हुए मिठाई उसको दे दी।' इस प्रकार दिन बीत गया और रात हो गई।' रात होते ही मोची के सब्र का बांध टूट गया और वह भगवान को उलाहना देते हुए बोला कि वाह रे भगवान सुबह से रात कर दी मैंने तेरे इंतजार में।' लेकिन तू वादा करने के बाद भी नहीं आया।'

क्या मैं गरीब ही तुझे बेवकूफ बनाने के लिए मिला था।' तभी आकाशवाणी हुई और भगवान ने कहा कि मैं आज तेरे पास एक बार नहीं तीन बार आया और तीनों बार तेरी सेवाओं से बहुत खुश हुआ और तू मेरी परीक्षा में भी पास हुआ है।' क्योंकि तेरे मन में परोपकार और त्याग का भाव सामान्य मानव की सीमाओं से परे हैं।' भगवान ना जाने किस रूप में हमसे मिल ले हम नही जान पाते हैं।'अतः अच्छे कर्म करते रहें।'

सेवा का अवसर मिला

राजकोट, गुजरात निवासी श्री प्रतीक सोनी पिता श्री सतीश सोनी, उम्र 15 साल जो जन्म से ही मानसिक पक्षाघात के शिकार हैं। श्री प्रतीक सोनी ने कक्षा सात तक अध्ययन किया है। श्री सतीश सोनी का अपना सोने का व्यवसाय है वे बताते है कि –बम्बई, हैदराबाद जैसे कई महानगरों के चिकित्सालयों में इलाज कराया, परन्तु कोई सफलता नहीं मिल सकी। टी.वी. पर संस्थान की सेवाओं के बारे में जानकर उदयपुर आये और उसी दिन ऑपरेशन कर दिया गया। यहाँ के सेवा कार्य देखकर हर रोगी को परमानन्द मिल जाता है। संस्थान में सम्पूर्ण व्यवस्था निःशुल्क है।

रोहताश, बिहार प्रान्त के रहने वाले श्री बिट्टु कुमार पिता श्री हरिशंकर उम्र 11 वर्ष कक्षा नवमी में अध्ययनरत हैं, को जन्म के एक वर्ष बाद बुखार में इंजेक्शन लगाने से पोलियो ने अपनी चपेट में ले लिया। मध्यम आय वर्गीय कृषक पिता श्री हरिशंकर जी ने बताया कि लुधियाना, पटना आदि शहरों के चिकित्सालयों में इलाज करवाया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ। टी.वी. के माध्यम से संस्थान के बारे में पता चला तो मन में आशा के अंकुर फुट पड़े और उदयपुर आ गये और ऑपरेशन कर दिया गया। श्री हरिशंकर जी बताते है कि इस मंदिर रूपी संस्थान में उनका कोई पैसा नहीं लगा। संस्थान के समस्त कर्मचारियों से उन्हें भरपूर प्रेम एवं स्नेह मिला।

गोविन्दपुरा गाँव, जिला भिवानी हरियाणा से आये श्री सुरेश कुमार पिता श्री राम किशन, उम्र 25 वर्ष जन्म से ही पोलियो रूपी अभिषाप झेल रहे हैं।

श्री सुरेश कुमार ने कक्षा चार तक अध्ययन किया है। पिता श्री राम किशन मध्यम आय वर्गीय कृषक है, जो बताते हैं कि सेवा संदीपन के माध्यम से नारायण सेवा संस्थान रूपी सेवा मंदिर की जानकारी मिली।

आशा की किरण लिये संस्थान में आये और ऑपरेशन किया गया। वे बताते हैं कि मेरा यहाँ कोई पैसा खर्च नहीं हुआ। यह संस्थान पालियो रूपी पापों को धोकर पुण्य का कार्य कर रही है।

नारायण सेवा : प्रभु कृपा

निशा की उम्र 10 वर्ष है। पिता श्री कनुभाईगुजरात में सावरकांठा जिलान्तर्गत रमोइ गांव के निवासी है। निशा जन्म से ही पोलियो पीड़ित हैं, और चारों हाथ–पैरों के सहारे ही इधर–उधर हो पाती है। टी. वी. चैनल्स से संस्थान की जानकारी मिली, और यहां आये। निशा के पैर का ऑपरेशन हुआ। श्री कनुभाई आश्वस्त हैं, चिकित्सकों की राय के अनुरूप उन्हें निशा के अपने पैर पर खड़े होकर चलने योग्य होने के बारे में आशंका नहीं है। यहां की सभी सुविधाएँ निःशुल्क है। इन प्रयासों के पीछे ईश्वरीय शक्ति का संबल मानते हैं।

अभिषेक मित्तल (10 वर्ष) पिताश्री सतपाल मित्तल,बीकानेर (राज.)जन्मजात दिव्यांगता से पीड़ित अभिषेक का एक पांव पोलियो से ग्रस्त हो चुका था। कई शहरों में दिखाया लेकिन कहीं कोई उपचार सम्भव न हो सका। अभिषेक के मामा ने उन्हें अपने बेटे का इलाज नारायण सेवा संस्थान में करवा चुके थे, उन्हें बताया।

इस तरह वे नारायण सेवा संस्थान पहुंचे। पांव की जांच के बाद अभिषेक के पांव का निःशुल्क सफल ऑपरेशन हुआ। अभिषेक ने इस उक्ति को चरितार्थ कर दिया है कि – दुनियां उठती है, उठाने वाला चाहिये। यह नारायण सेवा संस्थान के द्वारा ही सम्भव हो सकता है।

नाम धर्मवीर, आयु – 25 वर्ष पिता–श्री हरचन्द जी, पता – भरतपुर

5 वर्ष की आयु में पोलियोग्रस्त होने से धर्मवीर विगत 20 वर्षों से घुटनों पर हाथ के सहारे बड़ी मुश्किल से थोड़ा–बहुत चल–फिर पाता था। पड़ौसी से नारायण सेवा संस्थान की जानकारी मिली और उदयपुर आये। 2 ऑपरेशन हुए।

अब वह पैरों में स्फूर्ति अनुभव कर रहा है और कैलीपर्स की सहायता से चलना संभव हो गया हैं। संस्थान ने इसे नया जीवन दिया है। वह कहता है कि यहां निःशक्तजनों की निःशुल्क सेवा देखकर ऐसा लगता है कि भगवान स्वयं यहां विद्यमान है।

अपनी जुबानी

संस्थान की कोरोना सेवाओं से लाभान्वितों के अनुभव

मैं और मेरे परिवार के अन्य सदस्य माता–पिता, पत्नी और दोनों बहने कोरोना पॉजिटिव हो गए। हमनें डॉक्टर्स की सलाह पर होम आइसोलेट रहने का फैसला लिया। लेकिन हम सभी संक्रमितों के सामने दोनों समय के भोजन की समस्या थी। हमारा खाना कौन बनाएं? तभी हमें नारायण सेवा के घर–घर भोजन सेवा की जानकारी मिली।

संस्थान की हेल्पलाइन नम्बर पर कॉल किया। हमें 6 पैकेट भोजन भेजना शुरूकर दिया। वास्तव में खाना– बहुत स्वादिष्ट था। अच्छे से पैकिंग में सुरक्षित पैकेट 15 दिन तक निरन्तर मिलता रहा स्वादिश्ट भोजन। अब हमारा पूरा परिवार पूर्ण स्वस्थ हो गया। इस सेवा के लिए संस्थान का बहुत आभार।

– अंकित माथुर, उदयपुर

मैं और मेरी पत्नी व बेटे को बुखार आने लगा। कोरोना टेस्ट करवाया। हमारी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आ गई। तभी हम सब घर में आइसोलेंट हो गए। हम तीनों बीमार दवाई और भोजन के लिए चिंन्तित थे। तभी मेरे मित्र ने मुझे नारायण सेवा संस्थान की कोरोना किट और घर–घर भोजन सेवा से अवगत कराया। मैंनें दूरभाष से सम्पर्क किया। हमें कोरोना दवाई किट और भोजन पैकेट सुविधा शुरू हो गई। 14 दिनों तक संस्थान से कार्यकर्त्ताओं की सेवाएं मिली। सुपाचय और रूचिकर भोजन के साथ कोरोना मेडीसन खाकर कोरोना संक्रमण से उबर गए। हम सभी अब पूर्ण स्वस्थ्य है। संस्थान की दिल से धन्यवाद।

– रानू राजपूत, उदयपुर

हार्ट पेशेन्ट मेरे दादा जी एक शादी में गए, वहां उन्हें सर्दी जुकाम की शिकायत हो गई। कोरोना रिपोर्ट करवाई जो कि पॉजिटिव आई। डॉक्टर्स ने होम आइसोलेट रहकर ट्रीटमेंट लेने की बोला। घर पर केयर करने के लिए हमने नारायण सेवा संस्थान से मदद मांगी, तो हमें हेड्रोलिक बेड और ऑक्सीजन सिलेन्डर उपलब्ध करवाया। 10 दिनों में दादाजी रिकेवर हो गए। इस सहयोग के लिए संस्थान का आभार।

– प्रेम अहारी, बड़गांव

मेरे पिता जी 5 दिन पहले कोरोना संक्रमित निकले। उन्हेंघर पर रखकर ईलाज शुरू किया लेकिन उनका ऑक्सीजन लेवल गिरने लगा। हमारी फिक्र बढ़ने लगी। हॉस्पीटल में ऑक्सीजन बेड के लिए प्रयास किया पर मिला नहीं। मदद के लिए नारायण सेवा संस्थान से सम्पर्क किया। तो उन्होंने ऑक्सीजन सिलेन्डर उपलब्ध करा दिया। 2–3 दिन ऑक्सीजन पर रहने के बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। अब पिता जी पूर्ण कुशल है। विपदा की घड़ी में संस्थान की मदद के लिए हम सदैव कर्तज्ञ रहेंगे।

– मोहन मीणा, डबोक

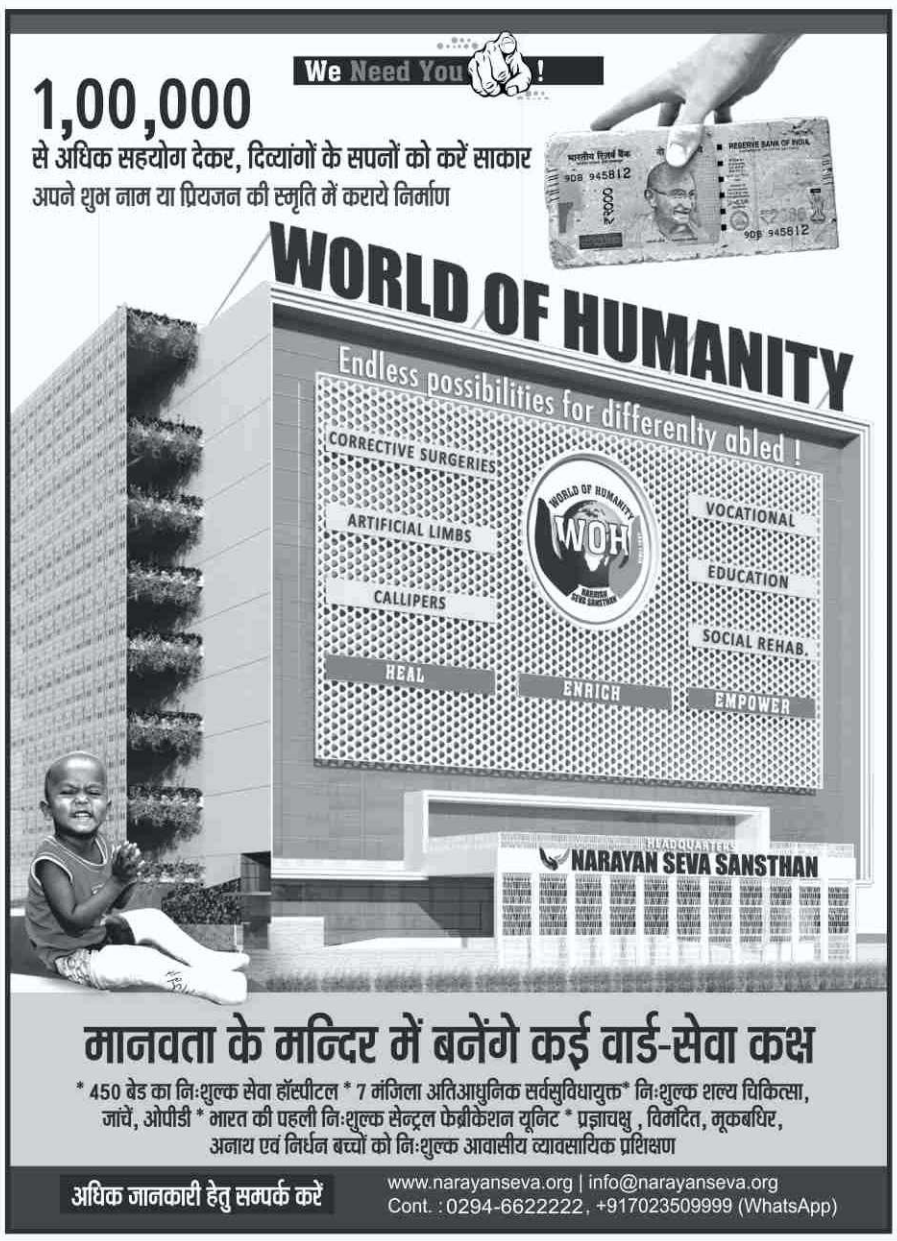

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : ई, डी-71 बप्पा रावल नगर, हि.म. सेक्टर-6, उदयपुर
मुद्रक : न्यूटेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353, • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023